भारत - यूक्रेन संबंध

राजनीतिक संबंध :

सोवियत संघ के विघटन के तुरंत बाद भारत सरकार द्वारा दिसंबर, 1991 में यूक्रेन गणराज्य को एक संप्रभु स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता प्रदान की गई। कीव में भारतीय दूतावास मई, 1992 में स्थापित किया गया तथा यूक्रेन ने फरवरी, 1993 में नई दिल्ली में अपना मिशन खोला। भारत और यूक्रेन के बीच संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। वर्ष 2012 यूक्रेन के साथ राजनयिक संबंधों की स्थापना की 20वीं वर्षगांठ थी।

भारत और यूक्रेन के बीच हस्ताक्षरित एम ओ यू / करारों के तहत निम्नलिखित शामिल हैं : राजनयिक संबंधों की स्थापना के लिए प्रोटोकाल पर करार, संस्कृति, कला, शिक्षा, पर्यटन, खेल, मास मीडिया के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार, व्यापार एवं आर्थिक सहयोग करार, बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण प्रयोगों में सहयोग के लिए रूपरेखा करार, सौदागर पोत परिवहन करार, आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता के लिए करार, पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार, मानकीकरण, मौसम विज्ञान, अनुरूपता आंकलन एवं गुणवत्ता के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन, दोहरा कराधान परिहार करार, निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार, हवाई सेवा करार, प्रत्यर्पण संधि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार, विदेश कार्यालय परामर्श, राजनयिक पासपोर्ट धारकों द्वारा वीजा मुक्त यात्रा के लिए करार आदि। दिसंबर, 2012 में, यूक्रेन के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित करारों के तहत निम्नलिखित शामिल हैं : सिविल एवं आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता संधि, रक्षा सहयोग तथा तकनीकी सूचना का आदान - प्रदान और परमाणु रक्षा एवं विकिरण संरक्षण में सहयोग।

विशेष रूप से दिसंबर, 2012 **में यूक्रेन के महामहिम राष्ट्रपति श्री यानुकोविच की भारत की सफल यात्रा के बाद भारत और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय संबंध गहन हुए। दोनों देशों के बीच उर्वरक क्षेत्र में भावी सहयोग के लिए अवसरों का पता लगाने के लिए जनवरी**, 2013 **में सचिव** (**उर्वरक**) **ने कीव की यात्रा की। राष्ट्रपति के स्तर पर यात्रा के दौरान जारी संयुक्त वक्तव्य के निर्देशों से सुराग प्राप्त करते हुए नई दिल्ली में उर्वरक पर भारत - यूक्रेन संयुक्त कार्य समूह** (20 **मार्च**, 2013); **व्यापार एवं आर्थिक सहयोग** (20-21 **मार्च**, 2013); **पर्यटन** (8 **अप्रैल**, 2013); **भेषज पदार्थ** (15-16 **अप्रैल**, 2013) **और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी** (22-23 **अप्रैल**, 2013) **की बैठकें हुई। कांसुलर परामर्श की तीसरी बैठक मई**, 2013 **में कीव में हुई। संयुक्त सचिव** (**पी वी**) **द्वारा भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया गया तथा भारत द्वारा प्रस्तावित वीजा सुगमता करार पर शीघ्रता से निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।**

एयर चीफ मार्शल नॉर्मन अनिल कुमार ब्राउन के नेतृत्व में एक रक्षा शिष्टमंडल ने 14 **से** 19 **अक्टूबर**, 2013 **के दौरान कीव का दौरा किया। दोनों पक्षों ने यूक्रेन और भारत की वायु सेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए एक प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर किया।**

विदेश राज्य मंत्री श्री ई. अहमद ने नई दिल्ली में 13 **नवंबर**, 2013 **को व्यापार**, **आर्थिक**, **वैज्ञानिक**, **प्रौद्योगिकीय**, **औद्योगिक एवं सांस्कृतिक सहयोग पर भारत - यूक्रेन अंतर - सरकारी आयोग की पांचवीं बैठक की अध्यक्षता की। उनके साथ यूक्रेन से एक** 15 **सदस्यीय आधिकारिक शिष्टमंडल तथा एक** 12 **सदस्यीय कारोबारी शिष्टमंडल आया था। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय**, **भारत सरकार तथा चिकित्सा उत्पादों पर यूक्रेन राज्य प्रशासन के बीच भेषज पदार्थ एवं जैव भेषज पदार्थ में संयुक्त उद्यम एवं अनुसंधान और विकास में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। यूक्रेन के कारोबारी शिष्टमंडल ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चेंबर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री** (**फिक्की**) **द्वारा आयोजित भारतीय कारोबारी समुदाय के साथ अंत:क्रियात्मक सत्र में भाग लिया। भारत की ओर से यूक्रेन को जिन वस्तुओं का थोक में निर्यात किया जाता है उसमें भेषज पदार्थ शामिल हैं तथा इसकी मात्रा प्रतिवर्ष** 375 **मिलियन अमरीकी डालर के आसपास है।**

यूक्रेन के डिनिप्रोपेट्रोवक्स राज्य के गर्वनर श्री दमित्रो कोलेस्निकोव के नेतृत्व में एक पांच सदस्यीय आधिकारिक शिष्टमंडल ने 18 **से** 22 **नवंबर**, 2013 **के दौरान बंगलुरू का दौरा किया। गर्वनर ने इंफोसिस लिमिटेड के शीर्ष प्रबंधन से मुलाकात की तथा बंगलौर चेंबर्स ऑफ इंडस्ट्री एंड कामर्स के साथ बातचीत की।** 20 **नवंबर**, 2013 **को बंगलौर चेंबर्स ऑफ इंडस्ट्री एंड कामर्स ने डिनिप्रोपेट्रोवक्स चेंबर्स ऑफ इंडस्ट्री एंड कामर्स के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया।**

महू स्थित आर्मी वार कॉलेज के डिप्टी कमांडेंट मेजर जनरल विनोद कुमार पिल्लई के नेतृत्व में भारतीय सशस्त्र बलों के 24 **अधिकारियों के एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने** 20 **से** 25 **अक्टूबर**, 2013 **के दौरान यूक्रेन का अध्ययन दौरा किया। टीम ने कीव में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में व्यापक चर्चा की तथा रक्षा से जुड़ी यूक्रेन की कुछ महत्वपूर्ण संस्थाओं एवं कंपनियों का दौरा किया।**

***व्यापार और आर्थिक सहयोग*:**

यूक्रेन के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 1992 **में** 138.62 **मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर वर्ष** 2014-15 **में** 2,587.89 **मिलियन अमरीकी डालर हो गया है** (**भारत के निर्यात का मूल्य** 348.91 **मिलियन अमरीकी डालर और आयात का मूल्य** 2,238.99 **मिलियन अमरीकी डालर था**)**। फरवरी**, 2013 **तक की स्थिति के अनुसार भारत में यूक्रेन से एफ डी आई का मूल्य** 1.12 **मिलियन अमरीकी डालर था। भारत की ओर से यूक्रेन को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें भेषज पदार्थों का हिस्सा सबसे अधिक है।**

(मूल्य की दृष्टि से जर्मनी और फ्रांस के बाद भारत यूक्रेन को भेषज उत्पादों का निर्यात करने वाला तीसरा सबसे देश है)। रैनबैक्सी, डा. रेड्डी लैबोरेटरी, सन ग्रुप आदि जैसी अनेक भारतीय कंपनियों के यूक्रेन में प्रतिनिधि कार्यालय हैं। प्रमुख फार्मास्यूटिकल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने यूक्रेन में एक भारतीय फार्मास्यूटिकल विनिर्माता संघ का गठन किया है। पिछले पांच वर्षों के व्यापार के आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में

क्र. सं.	वर्ष	2010-2011	2011-2012	2012-2013	2013-2014	2014-2015
1	निर्यात	514,28	491,22	519,79	481,25	**348.91**
2	वृद्धि (प्रतिशत में)	77,93	-4,48	5,82	-7,41	**-27.5**
3	भारत का कुल निर्यात	249 815,55	305 963,92	300 400,58	314 405,30	**3,10,572.44**
4.	वृद्धि (प्रतिशत में)	39,76.	22,48.	-1,82.	4,66.	**-1.22.**
5.	हिस्सा (प्रतिशत में)	0,21.	0,16.	0,17.	0,15.	**0.11.**
6.	आयात	1 418,46	2 463,71	2 657,47	1 804,75	**2,238.99.**
7.	वृद्धि (प्रतिशत में)	-10,99.	73,69.	7,86.	-32,09.	**24.06.**
8.	भारत का कुल आयात	369 769,13	489 319,49	490 736,65	450 199,79	**4,48,044.62**
9.	वृद्धि (प्रतिशत में)	28,23.	32,33.	0,29.	-8,26.	**-0.48.**
10.	हिस्सा (प्रतिशत में)	0,38.	0,5.	0,54.	0,4.	**0.5.**
11.	कुल व्यापार	1 932,73	2 954,93	3 177,26	2 286,01	**2,587.89.**
12.	वृद्धि (प्रतिशत में)	2,67.	52,89.	7,52.	-28,05.	**13.21.**
13.	भारत का कुल व्यापार	619 584,68	795 283,41	791 137,23	764 605,09	**7,58,617.06**
14.	वृद्धि (प्रतिशत में)	32,64.	28,36.	-0,52.	-3,35.	**-0.78.**
15.	हिस्सा (प्रतिशत में)	0,31.	0,37.	0,4.	0,3.	**0.34.**
16.	व्यापार संतुलन					
17.	भारत का व्यापार संतुलन	-119 953,58	-183 355,57	-190 336,07	-135 794,49	**-1,37,472.18**

(स्रोत : वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली]

अप्रैल, 2013 में नई दिल्ली में संयुक्त कार्य समूहों की बैठकें हुई अर्थात, उर्वरक (20 मार्च, 2013); व्यापार एवं आर्थिक सहयोग (20-21 मार्च, 2013); पयर्टन (8 अप्रैल, 2013); भेषज पदार्थ (15-16 अप्रैल, 2013); और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (22-23 अप्रैल, 2013)।

आर्थिक क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग निरंतर सुदृढ़ हो रहा है तथा भारतीय निर्यात संगठन परिसंघ (एफ आई ई ओ) की लगभग 20 भारतीय कंपनियों ने 9 से 12 अक्टूबर, 2013 के दौरान कीव में एंबिएंट यूक्रेन - एक प्लास्टिक प्रदर्शनी में भाग लिया। इसके बाद एसोचैम के तहत एक 17 सदस्यीय भारतीय कारोबारी शिष्टमंडल ने यूक्रेन का दौरा किया तथा 30-31 अक्टूबर, 2013 को कीव में इंटर एग्रो फेयर में भाग लिया।

कल्पतरू पॉवर ट्रांसमिशन लिमिटेड इंडिया नामक एक भारतीय कंपनी ने "750 केवी रिवेनी एन पी पी - कीव सब स्टेशन पारेषण लाइन" नामक परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिसका उद्घाटन 21 दिसंबर, 2015 को यूक्रेन के राष्ट्रपति महामहिम श्री पेत्रो पोरोशेंको ने किया।

रक्षा सहयोग :

यूक्रेन भारत की आजादी के समय से ही भारत के लिए सैन्य प्रौद्योगिकी एवं उपकरण का एक विश्वसनीय स्रोत रहा है। एक रक्षा सहयोग करार पर 12 दिसंबर, 2012 को हस्ताक्षर किए गए तथा यह 17 जून, 2013 को लागू हुआ। सार्वजनिक एवं निजी दोनों क्षेत्रों की भारतीय कंपनियां इस क्षेत्र में यूक्रेन की कंपनियों के साथ सहयोग कर रही हैं।

आईटीईसी सहायता / अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम :

भारत आई टी ई सी (10), आई सी सी आर (2) और केंद्रीय हिंदी संस्थान (2) के तहत यूक्रेन को 14 छात्रवृत्तियों की पेशकश करता है। 2015-16 में आई टी ई सी का कोटा बढ़ाया गया। अप्रैल से दिसंबर 2015 के दौरान 17 व्यक्तियों ने आई टी ई सी छात्रवृत्तियां ली हैं।

संस्कृति :

यूक्रेन की आम जनता में भारतीय संस्कृति के प्रति गहरी रूचि है, जिसमें नृत्य, योग, दर्शन, आयुर्वेद एवं अध्यात्म जैसे भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलू शामिल हैं। 30 से अधिक यूक्रेनी सांस्कृतिक संघ / समूह देश भर में फैले हैं जो भारतीय नृत्यों को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं। अधिकांश समूहों ने अपने दम पर भारतीय नृत्य सीखा है तथा त्यौहारों के माध्यम से तथा नृत्य कक्षाएं चलाकर उसका प्रचार - प्रसार कर रहे हैं। "आल यूक्रेनियन एसोसिएशन ऑफ इंडोलाजिस्ट'' नामक एक संगठन भारत से संबंधित विभिन्न विषयों पर सेमिनारों, प्रदर्शनियों का आयोजन करता है। टरस शेवचेंको राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, कीव के यूक्रेन के एक हिंदी शिक्षक को सितंबर, 2013 में जोहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में नवें विश्व हिंदी सम्मेलन में विश्व हिंदी सम्मान प्रदान किया गया।

सरकार के स्वामित्व वाले परशी कैनाल से एक तीन सदस्यीय टीवी दल ने दिल्ली, आगरा, जयपुर एवं केरल में पर्यटन का प्रचार - प्रसार करने के लिए जनवरी, 2014 में भारत का दौरा किया। नई दिल्ली स्थित केंद्रीय हिंदी संस्थान में तीन सप्ताह के पेशेवर विकास पाठ्यक्रम के लिए फरवरी, 2014 में प्रतिष्ठित टरस शेवचेंको विश्वविद्यालय और कीव भाषायी विश्वविद्यालय के 6 हिंदी शिक्षकों ने भारत का दौरा किया। दो वरिष्ठ शिक्षाविदों ने भी फरवरी, 2014 में दिल्ली में जेएनयू द्वारा सी आई एस क्षेत्र के शिक्षकों के लिए पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इसी माह के दौरान, भारत - यूक्रेन व्यापार संबंधों पर

कई व्याख्यान देने के लिए आई एफ एफ टी, दिल्ली से प्रोफेसर नाग ने कीव, खारविक और ओडेसा का दौरा किया। मई, 2014 में, राजदूत ने कीव में जिमनासिया नंबर-1 स्कूल में हाल ही में अपग्रेड किए गए हिंदी शिक्षण कक्ष का उद्घाटन किया, जहां स्कूली बच्चों को हिंदी पढ़ाई जाती है। टरस शेवचेंको विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय संबंध संस्थान के एक प्रोफेसर ने परस्पर सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए मई 2015 में राष्ट्रीय विधि विद्यालय, बंगलुरू का दौरा किया। भारतीय दूतावास ने सितंबर से नवंबर, 2014 के दौरान कीव में एक मल्टीप्लेक्स में नवीनतम हिंदी फिल्मों की नि:शुल्क स्क्रीनिंग की व्यवस्था की जिसमें काफी लोगों ने भाग लिया। दिसंबर 2014 में, तीन भारतीय फीचर फिल्मों और लोक राजनय के 9 वृत्त चित्रों के प्रसारण के लिए यूक्रेन की राष्ट्रीय टेलीविजन कंपनी एवं भारतीय दूतावास के बीच एक करार पर हस्ताक्षर किया गया, जिनको अप्रैल से जनवरी 2015 के बीच दिखाया गया। आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित 'नमस्ते लवीव' कार्यक्रम लवीव के पश्चिमी शहर में मार्च 2015 में आयोजित किया गया जिसमें पंडित भजन सोपोरी द्वारा संतूर वादन, योग प्रदर्शन, बालीवुल फिल्मों का प्रदर्शन तथा भारतीय शास्त्रीय नृत्य आदि शामिल थे। अप्रैल 2015 में यूक्रेन के राष्ट्रीय बाल पुस्तकालय में 'भारतीय संस्कृति के दिन' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो एक हफ्ते तक चला। जिम्नैसिया नंबर 1 में हिंदी दूसरे शिक्षण कक्ष का उन्नयन किया गया तथा मई 2015 में इसका उद्घाटन किया गया।

भारतीय समुदाय :

एक अनुमान के अनुसार छात्रों को छोड़कर यूक्रेन में भारतीय समुदाय की संख्या 1000 के आसपास है। लगभग 4000 भारतीय छात्र यूक्रेन के विभिन्न चिकित्सा / तकनीकी विश्वविद्यालयों में नामांकित हैं। यहां अधिकतर भारतीय कारोबार में हैं जो विभिन्न भारतीय फर्मों का प्रतिनिधित्व करते हैं, कुछ भारतीय निर्यात के क्षेत्र में हैं तथा कुछ विनिर्माण के क्षेत्र में हैं। स्थानीय भारतीय समुदाय ने इंडिया क्लब नामक एक संघ बनाया है जो सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। लगभग 10 साल पहले इंडियन फार्मास्यूटिकल मैनुफैक्चरर एसोसिएशन (आई पी एम ए) का गठन किया गया। एक भारतीय एन आर आई कारोबारी को जनवरी, 2014 में पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया गया है।

देश के पूर्वी भाग में संघर्ष तेज हो जाने की वजह से यूक्रेन सरकार के सहयोग से भारतीय दूतावास द्वारा लगभग 1000 भारतीय चिकित्सा छात्रों को वहां से निकालकर कीव लाया गया और फिर जून, 2014 में भारत लाया गया। इसके बाद वापस जाने वाले अधिकांश छात्रों ने यूक्रेन के अन्य चिकित्सा विश्वविद्यालयों में अपना नामांकन कराया है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, कीव की वेबसाइट :
http://embassyofindiaukraine.in/
भारतीय दूतावास, कीव का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndiaInUkraine

*****

जनवरी, 2016